जगह-जगह ट्रैफिक जाम से कराह रही राजधानी

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. राजधानी भोपाल में ट्रैफिक की समस्या दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। पुराने शहर के हमीदिया रोड, बैरसिया रोड, नादरा बस स्टैंड और आसपास के बाजार इलाकों में आए दिन हजारों वाहन गुजरते हैं, जिससे सुबह से शाम तक घंटों लंबा जाम लगा रहता है.

इन सड़कों पर पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है और लोगों को अपनी दिनचर्या में घंटों की देरी झेलनी पड़ती है. शहर में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के बावजूद पर्याप्त वैकल्पिक बस स्टैंड और पार्किंग की सुविधा नहीं होने से स्थिति और गंभीर होती जा रही है. स्थानीय लोग और यात्री रोजाना जाम और देरी से परेशान रहते हैं और जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं.

भोपाल में बढ़ते ट्रैफिक जाम को लेकर प्रशासन ने सालों पहले कई योजनाएं बनाई थीं, जिनमें एक अहम योजना थी आरिफ नगर बस स्टैंड का निर्माण. हमीदिया रोड और बैरसिया रोड पर लगातार लगने वाले जाम को कम करने और नादरा बस स्टैंड का विकल्प तैयार करने के लिए यह परियोजना शुरू की गई थी. लेकिन पांच साल बाद भी यह बस स्टैंड पूरी तरह तैयार नहीं हो सका है. अब संभावना है कि यह काम इस साल के अंत तक भी खत्म नहीं हो पाएगा. अगर ये रोजाना पूरी हो जाती है तो शहर के करीब 20 हजार यात्रियों को सीधा लाभ मिलता और शहर की मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या का भी हल निकलेगा.

लोगों की परेशानी और मांग

जाम की समस्या से परेशान शहरवासी और व्यापारी प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि हर दिन सड़कों पर घंटों फंसने से समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है. व्यापारियों के मुताबिक, ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होने से कारोबार पर भी असर पड़ रहा है. स्थानीय निवासी चाहते हैं कि जल्द से जल्द वैकल्पिक बस स्टैंड, पार्किंग एरिया और फ्लाईओवर जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं ताकि यातायात का दबाव कम हो सके और आवाजाही में समस्या ना आए.

इन इलाकों में सबसे ज्यादा जाम के हालात

शहर के कई प्रमुख इलाकों में रोजाना घंटों जाम लगता है जिनमे न्यू मार्केट, एमपी नगर, थट्ठाराम कॉम्प्लेक्स, नीलबड़ चौराहा, जवाहर चौक, पुराना भोपाल, नादरा बस स्टैंड, बैरसिया रोड, हमीदिया रोड, कोलार, अवधपुरी तिरहा आदि. इन जगहों पर सड़कों की चौड़ाई कम होने और पार्किंग की अव्यवस्था के कारण स्थिति और बिगड़ जाती है.

12 स्कूलों की मान्यता रद्द

- सिर्फ दस्तावेजों में दिखाते थे भूमि और सुविधाएं
- कोई पूर्व मान्यता पर ही चला रहा था स्कूल

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 20 जुलाई. प्रदेश के शिक्षा विभाग ने लगभग 200 से अधिक निजी स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी है जिसमें से 12 स्कूल भोपाल के भी शामिल है. राज्य सरकार ने निजी स्कूलों के पास भूमि संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन और जानकारी न रख पाने के कारण स्कूलों की मान्यता रद्द की है.

मान्यता रद्द किए जाने वाले स्कूलों में कुछ के पास पर्याप्त भूमि नहीं थी तो कुछ के पास भूमि रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज नहीं थे जिसके कारण प्रदेश भर के लगभग 350 स्कूलों की जांच में मात्र 50 स्कूल ही मापदंडों पर खरे उतरे. जबकि 50 स्कूलों की मान्यता होल्ड की गई है और 200 से अधिक निजी स्कूलों की मान्यता रद्द ही कर दी गई है. राजधानी भोपाल के लगभग 12 स्कूल भी इस लिस्ट में शामिल हैं. सेवन हिल्स, प्रीति हायर सेकेंडरी, राजपुष्पा,जिनमें अंकुर हायर सेकेंडरी, ज्ञान कृष्णा और पार्थ स्कूल जैसे नाम शामिल हैं.

स्कूलों में ई-रिक्शा पर लगाई रोक

कलेक्टर ने जांच के लिए मैदान में उतारी टीमें

भोपाल,20 जुलाई. शहर में स्कूली बच्चों के ई-रिक्शा से स्कूल आने-जाने पर सोमवार, 21 जुलाई से पूरी तरह रोक लगा दी गई है. कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इसे बच्चों के लिए असुरक्षित मानते हुए यह आदेश जारी किया है.

प्रशासन का कहना है कि ई-रिक्शा पलटने की संभावना ज्यादा रहती है, जिससे बच्चों की जान को खतरा हो सकता है. कलेक्टर ने डीईओ को निर्देशित किया है कि सभी स्कूल संचालकों को ई-रिक्शा सेवा बंद करने के लिए कहा जाए,शु वार को सांसद

आलोक शर्मा की अध्यक्षता में ट्रैफिक सुधार को लेकर बैठक हुई थी. इसी बैठक में कलेक्टर ने बच्चों को ई-रिक्शा में बैठाकर स्कूल भेजे जाने को खतरनाक बताया और उस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी.

टीमें करेंगी निगरानी

सोमवार से प्रशासन की टीमें स्कूलों का दौरा करेंगी और उन बच्चों को चिह्नित करेंगी, जो ई-रिक्शा से स्कूल जाते हैं. ऐसे ई-रिक्शा को बंद कराया जाएगा. भोपाल में करीब 12,500 ई-रिक्शा रजिस्टर्ड हैं, जिनमें से कई बिना स्कूल की मान्यता के बच्चों को ढोते हैं. हालांकि भोपाल में अभी तक ई-रिक्शा से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है, लेकिन अन्य शहरों के अनुभव के आधार पर यह कदम उठाया गया है.

109 नर्सिंग छात्राओं ने सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

एनएसयूआई लड़ेगी इन छात्राओं की लड़ाई

रिजल्ट के बावजूद प्रवेश नहीं देने का मामला गरमाया

भोपाल, 20 जुलाई. मध्यप्रदेश की 109 नर्सिंग छात्राओं ने अपने प्रवेश और भविष्य को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) और कांग्रेस पार्टी के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है.

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध दायर की गई है. जो मध्यप्रदेश की 60 हजार छात्राओं के हक की लड़ाई हैं. सुप्रीम कोर्ट में यह कानूनी लड़ाई वरिष्ठ अधिवक्ता वरुण चोपड़ा लड़ेंगे. परमार ने बताया कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (व्यापम, ईएसबी) द्वारा प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (पीएनएसटी)-2022 की परीक्षा जून 2023 में आयोजित की गई थी. इस परीक्षा के परिणाम पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई थी, लेकिन 27 मार्च 2025 को हाईकोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया. जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि आज तक प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, जिसके चलते शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में सत्र 2022-23 की सभी सीटें खाली पड़ी हैं.

इन सीटों पर प्रवेश के लिए छात्राएं हाईकोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन न्याय न मिलने के कारण अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उनकी इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी और एनएसयूआई पूरी मजबूती से साथ खड़ी है.

छात्रा रवीना सूर्यवंशी ने बताया कि मैंने और प्रदेश की लगभग 60 हजार से ज्यादा छात्राओं ने पीएनएसटी-2022 की परीक्षा दी थी.

इस याचिका में मध्यप्रदेश शासन, संचालक चिकित्सा शिक्षा, मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, इंडियन नर्सिंग काउंसिल, मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल सहित प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन को पक्षकार बनाया गया है. रवि परमार ने कहा कि छात्राएं लंबे समय से अपने परीक्षा परिणाम उसके बाद प्रवेश के लिए संघर्ष कर रही हैं. सरकार और जिम्मेदार विभागों की लापरवाही के कारण इन छात्राओं का भविष्य अधर में लटका है.

वर्षावास काल उपासकों को धम्म लाभ लेने के लिए उपयुक्त

भोपाल. तुलसी नगर स्थित करुणा बौद्ध विहार में रविवार को प्रात: 10.30 बजे उपस्थित उपासक-उपासिकाओं को त्रिशरण पंचशील ग्रहण कराई गई. पूज्य भन्ते ने कहा कि वर्षावास का यह काल उपासकों के लिए अधिक से अधिक धम्म लाभ लेने के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इस अवधि में पूज्य भन्ते गण किसी न किसी विहार में रहकर धम्म का अध्ययन करते हैं तथा उपासकों को भी धम्म की विस्तृत जानकारी देते हैं. इस अवधि में अधिकतर उपासक पूज्य भिक्षुओं के सम्पर्क में रहकर धम्म का ज्ञान अर्जित करते हैं. साथ ही उपासकों व्दारा पूज्य भन्ते को अपने निवास पर सुख, शांति, समृध्दि और घर के वातावरण को शुद्ध कराने हेतु परित्राण पाठ के लिए आमंत्रित कर उन्हें भोजन दान तथा धम्मदान भी कराते हैं. इस अवसर पर महिला मंडल ने पूज्य भन्ते जी को भोजन दान किया तथा धम्मदान भी किया.

रिटायरमेंट के बाद क्या करना चाहिए, नियाज ने मांगी राय

भोपाल, 20 जुलाई . मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी नियाज खान आगामी अक्टूबर में रिटायर हो रहे हैं.

रिटायरमेंट से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लोगों से राय मांगी है कि उन्हें राजनीति में आना चाहिए या फिर पर्यावरण संरक्षण को अपना उद्देश्य बनाना चाहिए. नियाज खान ने एक्स पर लिखा, अक्टूबर में मैं पद से रिटायर हो रहा हूं. बताएं कि क्या मुझे राजनीति में जाना चाहिए या फिर पर्यावरण की रक्षा का उद्देश्य बनाना चाहिए. आप लोगों की राय निर्णय लेने में सहायक होगी. अपने बेबाक बयानों और सामाजिक मुद्दों पर

टिप्पणियों को लेकर चर्चाओं में रहने वाले नियाज खान 'ब्राह्मण द ग्रेट' जैसी चर्चित किताब लिख चुके हैं. वे अब तक 7 नॉवेल लिखे हैं. जिनमें से एक पर बनी आश्रम वेब सीरीज़ के निर्माताओं के खिलाफ उन्होंने क्रेडिट न मिलने पर कोर्ट केस भी किया था.

सतर्कता से टली दुर्घटना

भोपाल-बिलासपुर ट्रेन में उठा धुंआ

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. रेलकर्मी की सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना रविवार को टल गई. भोपाल से बीना की ओर जा रही ट्रेन संख्या 18235 (भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस) में ड्यूटी पर तैनात ट्रेन मैनेजर अभिषेक परसाई ने गंजबसौदा स्टेशन से प्रस्थान के कुछ समय बाद ट्रेन में धुआं और जलने की गंध महसूस की.

अत्यंत संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए उन्होंने तुरंत गाड़ी को गंजबसौदा और बरेठ सेक्शन के मध्य रोककर जांच प्रारंभ की.

जांच के दौरान पाया गया कि कोच नंबर एसईसी 14497 के वी-बेल्ट से धुआं निकल रहा था. रेलकर्मी परसाई ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल लोको पायलट, डिप्टी पंक्चुअलिटी, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल तथा कैरिज एंड वैगन विभाग को सूचित किया.

इलेक्ट्रिकल कंट्रोल के निर्देशानुसार वी-बेल्ट को सावधानीपूर्वक काटकर अलग किया गया तथा गाड़ी को आइसोलेट कर सुरक्षित रूप से बीना तक संचालित किया गया.

ब्लैकलिस्ट कंपनी को मूंग टेस्टिंग का टेंडर

भोपाल. मध्यप्रदेश में मूंग खरीदी प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला सामने आया है. जिस कंपनी को पिछले साल ब्लैकलिस्ट किया गया था, उसे वर्ष 2025 में फिर से मूंग की गुणवत्ता परीक्षण का टेंडर दे दिया गया. रायसेन में एनाकोन कंपनी ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर प्राप्त किया, वहीं नरसिंहपुर में नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड को टेंडर दिया गया. यह वही कंपनी है जिसे पिछले वर्ष कलेक्टर ने ब्लैकलिस्ट किया था. दोनों कंपनियों पर फर्जी दस्तावेजों से टेंडर लेने के आरोप हैं. मामला सामने आने के बाद टेंडर प्र या की पारदर्शिता और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं.

लूट करने वाला आरोपी धराया

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. महिला रेल यात्री का बैग उड़ाने वाले बदमाश को जीआरपी भोपाल ने रविवार को महज़ 6 घंटे में गिरफ्तार कर लिया. आरोपी के पास से 1.56 लाख नकद, दो महंगे मोबाइल और एक लग्ज़री घड़ी बरामद हुई है.

भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से जब महिला उतरी तभी उसके साथ यह हादसा हुआ. जीआरपी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पकड में आए आरोपी पर पहले से 13 संगीन अपराध दर्ज है. जिसमें हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट, मारपीट जैसी धाराए शामिल है. आरोपी का नाम रिजवान उर्फ गोल्डन है.

हिरदाराम नगर स्टेशन पर टिकट चेकिंग

115 बिना टिकट यात्रियों से वसूला 62 हजार का जुर्माना

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. राजधानी के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर रविवार को टिकट चेकिंग अभियान चला. सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान स्टेशन से होकर गुजरने वाली 8 ट्रेनों के यात्रियों के टिकटों की जांच की गई.

जांच के दौरान 63 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए, जिनसे 36,130 रु. की राशि वसूली गई. 52 यात्री अनुचित टिकट के साथ यात्रा करते हुए पाए गए, जिनसे 26,300 की वसूली

की गई. इस प्रकार कुल 115 मामलों से 62,430 का रेल राजस्व प्राप्त हुआ. अभियान का संचालन शैलेन्द्र सिंह मुख्य टिकट निरीक्षक भोपाल के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के 14 टिकट चेकिंग स्टाफ के सहयोग से किया गया. स्टेशन परिसर से बाहर निकलने वाले सभी मार्गों की घेराबंदी कर बिना टिकट जांच के यात्रियों को बाहर निकलने से रोका गया.

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस प्रकार के किलाबंदी टिकट जांच अभियान यात्रियों को नियमों के पालन हेतु प्रेरित करते हैं एवं अनियमित यात्राओं को हतोत्साहित करने में सहायक होते हैं. उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे सदैव वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें.

निशातपुरा टीआई ने खाया जहर

भोपाल. राजधानी के एक टीआई द्वारा रविवार देररात जहर खाने का मामला सामने आया है. निशांतपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने अपने घर में जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है. परिजनों ने उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज जारी है. उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना की जानकारी मिलते ही एक बड़े पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और टीआई स्वास्थ्य की जानकारी ली. इंद्रपुरी इलाके में एक महिला ने खुद को आग लगाकर खुदकुशी कर ली. वह 8 महीने के गर्भ से थी. सुसाइड से पहले आखिरी बार पिता से फोन पर बात की थी.

प्रवेश द्वार पर महर्षि वाल्मीकि और वेदव्यास की प्रतिमा का अनावरण

भोपाल, 20 जुलाई. उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने तुलसी मानस प्रतिष्ठान मानस भवन भोपाल के प्रमुख प्रवेश द्वार पर रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि और महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यास की प्रतिमाओं का अनावरण किया.

इस अवसर पर तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, सुरेश पचौरी, रमेश शर्मा, पदमश्री विजयदत्त श्रीधर और प्रतिष्ठान के सदस्य उपस्थित थे.

लापरवाही ▶ वार्ड 26 में साफ-सफाई नहीं होने से रहवासियों में नाराजगी

शमशान घाट पर कचरा डाल रहा निगम

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. राजधानी अब स्वच्छता की रैंकिंग भले ही अग्रणी हो गई है, लेकिन शहर के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर सफाई का विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है. इससे वार्ड नंबर 26 सूरज नगर के रहवासियों में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है.

लोगों का कहना है कि क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी और कचरे से आम जनता परेशान हो रही है. रहवासी प्रमोद पटेल ने बताया कि वार्ड 26 में गंदगी फैली होने के चलते स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों

होने की संभावना भी बढ़ी है. उन्होंने बताया कि गंदगी को लेकर पूरे वार्ड के लोग चिंतित हैं. एक अन्य रहवासी प्रदीप सिंह ने बताया कि नगर निगम एएचओ और सफाई दरोगा द्वारा साफ-सफाई में अत्यधिक लापरवाही किए जाने के चलते कई स्थानों से कचरा नहीं उठ रहा है. बारिश के दिनों में कचरा फैला होने से मीमारियां घर कर जाती है.

रहवासी राममिलन ने कहा कि कई बार एएचओ और सफाई दरोगा को दूरभाष से संपर्क कर शिकायत की जाती है, बावजूद इसके समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम के वाहन भूतेश्वर शमशान घाट में जबरदस्ती कचरा डलवा रहे हैं. इसकी शिकायत कई बार पार्षद, विधायक को भी की है, लेकिन कोई भी सुनने को तैयार नहीं है.

इनका कहना है ....

क्षेत्र में सफाई को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. शमशान घाट में कचरा जमा है, वहां की स्वच्छता को लेकर काम किया जा रहा है.

राजू खरे,
सफाई दरोगा वार्ड 26

वार्ड में स्वच्छता का काम लगातार किया जा रहा है. जिन क्षेत्रों में ऐसी समस्या बनी है जल्द ही उसका निदान किया जाएगा.

राजमनी उइके,
पार्षद वार्ड 26

पत्रकारिता को लोक का माध्यम बनाया

नई दिल्ली में प्रभाष प्रसंग कार्यक्रम में शुक्ल हुए शामिल

भोपाल, 20 जुलाई. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि स्वर्गीय प्रभाष जोशी ने पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि लोकमंगल का माध्यम बनाया.

उन्होंने जनचेतना को जागृत करने, लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त और सामाजिक सरोकारों को मुखर स्वर देने में लेखनी के माध्यम से अद्वितीय योगदान दिया है. उप मुख्यमंत्री शुक्ल नई दिल्ली स्थित सत्याग्रह मंडप, राजघाट परिसर में पत्रकार स्व. प्रभाष जोशी की स्मृति में प्रभाष प्रसंग कार्यक्रम में शामिल हुए. उन्होंने स्व. जोशी को उनकी विचारशील पत्रकारिता, सामाजिक प्रतिबद्धता एवं सांस्कृतिक चेतना के लिए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की. शुक्ल ने कहा कि आज के समय में जब सूचना के माध्यमों की प्रामाणिकता और जिम्मेदारी पर प्रश्नचिह्न उठते हैं, ऐसे में प्रभाष जैसे उत्कृष्ट मानक स्थापित करने वाले पत्रकारों की स्मृति और मूल्य और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं. उनकी विरासत नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है. कार्यक्रम में मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पद्मभूषण रामबहादुर राय, पद्मश्री जवाहरलाल कौल, डॉ. रामाशंकर कुशवाहा सहित पत्रकारिता, साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े लोग उपस्थित रहे.